आंधी-तूफान से अफरा-तफरी, बिजली तार टूटे, गिरे पेड़

खास बातें

- 20 मिनट की बारिश और तेज आंधी ने सूरज की तपिश को किया ठंडा
- मंडी, खलियान और उपार्जन केंद्रों पर रखा अनाज भीगा
- किसानों की चिंता बढ़ी अगले कुछ दिनों में और बदलाव के संकेत

नवभारत न्यूज

विदिशा 2 मई, जिले में शनिवार को अचानक बदले मौसम ने लोगों को तेज गर्मी और लू से राहत जरूर दिलाई, लेकिन इसके साथ ही किसानों के लिए नई परेशानी भी खड़ी कर दी. दोपहर बाद करीब 20 मिनट तक चली तेज बारिश और आंधी ने पूरे जिले का मौसम ठंडा कर दिया.पिछले कई दिनों से तापमान 42 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ था, जिससे आमजन बेहाल थे. ऐसे में आई इस अचानक बारिश ने गर्मी से राहत दिलाई, लेकिन खेत-खलिहानों में रखी फसल को नुकसान पहुंचा दिया.

बारिश के साथ चली तेज हवाओं ने मंडियों और उपार्जन केंद्रों पर खुले में रखे गेहूं और अन्य अनाज को भीगने पर मजबूर कर दिया.कई जगहों पर तिरपाल की व्यवस्था न होने या कमजोर इंतजाम के चलते अनाज पूरी तरह भीग गया. किसानों ने बताया कि अचानक मौसम खराब होने से उन्हें संभलने का मौका ही नहीं मिला. खलिहानों में रखी फसल भीगने से गुणवत्ता पर असर पड़ने की आशंका है, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है. शहर में भी तेज आंधी के कारण कई जगह पेड़ों की टहनियां टूटीं और हल्की अव्यवस्था देखने को मिली. मौसम ठंडा होने से लोगों ने राहत की सांस ली और शाम का मौसम सुहावना हो गया.

आगे कैसा रहेगा मौसम

मौसम विभाग के अनुसार आने वाले 2 से 3 दिनों तक मौसम इसी तरह बदलता रह सकता है. हल्के बादल छाए रहने और कहीं-कहीं बूंदाबांदी या तेज हवाएं चलने की संभावना जताई गई है. दिन के तापमान में थोड़ी गिरावट बनी रह सकती है, जिससे लू का असर फिलहाल कम रहेगा. हालांकि किसानों को सलाह दी गई है कि वे अपनी उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें और मौसम के अपडेट पर नजर बनाए रखें. कुल मिलाकर, यह बदलाव जहां आमजन के लिए राहत लेकर आया, वहीं किसानों के लिए चिंता का कारण बन गया है. अब सबकी नजर आने वाले दिनों के मौसम पर टिकी हुई है.

कुरवाई में उपार्जन केंद्रों की खुली पोल

कुरवाई क्षेत्र में शनिवार दोपहर करीब 2 बजे आए तेज आंधी-तूफान और हल्की बारिश ने उपार्जन केंद्रों पर अव्यवस्थाओं को उजागर कर दिया. अचानक बदले मौसम के चलते गेहूं, चना और मसूर उपार्जन केंद्रों पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और किसानों की उपज को नुकसान पहुंचा.सबसे ज्यादा समस्या उन चना और मसूर उपार्जन केंद्रों पर देखने को मिली, जो खुले खेतों में संचालित हो रहे हैं. परिवहन की धीमी गति के कारण यहां उपज का भारी स्टॉक जमा है. समय पर वाहनों की उपलब्धता नहीं होने से किसानों का चना और मसूर खुले आसमान के नीचे रखा रहा, जो हल्की बारिश में भीग गया. किसानों का कहना है कि यदि समय पर माल का उठाव हो जाता, तो इस स्थिति से बचा जा सकता था.वहीं गेहूं उपार्जन केंद्रों पर भी व्यवस्थाओं की कमी सामने आई. कई केंद्रों पर पर्याप्त तिरपाल उपलब्ध नहीं थे और जहां तिरपाल थे भी, वे तेज आंधी के सामने टिक नहीं सके. तेज हवाओं के कारण तिरपाल फट गए या उड़ गए, जिससे ढका हुआ अनाज भी असुरक्षित हो गया और बारिश में भीग गया.इस दौरान किसानों को अपनी फसल बचाने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी. तेज हवाओं के बीच तिरपाल संभालते और अनाज को सुरक्षित करने की कोशिश में किसान परेशान नजर आए.हालांकि बारिश हल्की होने के कारण जलभराव की स्थिति नहीं बनी, जिससे बड़े नुकसान की आशंका टल गई. लेकिन इस घटना ने स्पष्ट कर दिया है कि यदि परिवहन व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया और मजबूत तिरपालों की व्यवस्था नहीं की गई, तो आने वाले समय में किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है.

बासौदा में पेड़ गिरने से आवागमन बाधित गल्ला मंडी में भीगा अनाज

गंजबासौदा में तेज आंधी और तूफान के चलते नगर में अचानक अफरा-तफरी मच गई. तेज हवाओं के कारण जर्जर विद्युत तार टूटकर गिर गए, जिससे फुटपाथ पर कारोबार करने वाले दुकानदारों में भगदड़ की स्थिति बन गई.दुकानदारों द्वारा दुकानों के सामने सड़क तक सामान फैलाकर रखने से आंधी और बारिश में उनकी सामग्री को भारी नुकसान हुआ. इस संबंध में दुकानदारों का कहना है कि दिखेगा तो बिकेगा, वहीं उन्होंने यह भी बताया कि नगर पालिका द्वारा कई बार कार्रवाई की जाती है, लेकिन बाद में सामान वापस कर दिया जाता है, जिससे स्थिति जस की तस बनी रहती है.आंधी-तूफान के कारण कई हरे-भरे पेड़ भी सड़क पर गिर गए, जिससे आवागमन प्रभावित हुआ. भारी बारिश के चलते छोटी दुकानों की चद्दर और बरसाती उड़ गईं, जिससे नुकसान और बढ़ गया.गल्ला मंडी में खुले में रखा अनाज भी बारिश की चपेट में आकर भीग गया, जिससे व्यापारियों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा.वहीं, बिजली विभाग द्वारा हर वर्ष जर्जर लाइनों को बदलने के नाम पर लाखों रुपये खर्च किए जाने के बावजूद स्थिति में सुधार नहीं होने पर लोगों ने नाराजगी जताई. आंधी के चलते बिजली आपूर्ति भी बाधित रही. हालांकि बारिश से भीषण गर्मी से लोगों को कुछ राहत जरूर मिली.

पठारी में तेज आंधी-तूफान से जनजीवन अस्त-व्यस्त, कई पेड़ गिरे

पठारी नगर सहित क्षेत्र में अचानक मौसम ने करवट ली, जिससे आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा. शनिवार दोपहर करीब 2:00 बजे तेज आंधी और तूफान के साथ मौसम बिगड़ गया.तेज हवाओं के कारण कच्चे मकानों पर रखी पनिया, पत्थर और चद्दर उड़ गईं, जिससे कई घरों को नुकसान पहुंचा. वहीं क्षेत्र में कई फलदार पेड़ भी टूटकर गिर गए.सोसायटी में अनाज बेचने आए किसान भी आंधी-तूफान के चलते खासे परेशान नजर आए. अचानक आए इस बदलाव से लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला और जनजीवन कुछ समय के लिए अस्त-व्यस्त हो गया.

त्योंदा स्वास्थ्य केंद्र में बदहाल व्यवस्था मरीजों को न दवा न समय पर इलाज

- डॉक्टरों की कमी से बढ़ी परेशानी
- अधिकांश मरीजों को किया जा रहा रेफर

नवभारत न्यूज

त्योंदा 2 मई, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य सेवाएं पटरी से उतरती नजर आ रही हैं. यहां मरीजों को न तो समय पर दवाइयां मिल रही हैं और न ही डॉक्टर नियमित रूप से केंद्र पर पहुंच रहे हैं, जिससे मरीजों को घंटों इंतजार करना पड़ रहा है.

स्थिति यह है कि बड़ी संख्या में मरीज इलाज के लिए लाइन में खड़े रहते हैं, लेकिन पर्याप्त स्टाफ नहीं होने के कारण उनकी समुचित देखभाल नहीं हो पा रही है. भीषण गर्मी के बीच यह परेशानी और बढ़ गई है.स्थानीय लोगों का आरोप है कि डॉक्टर कई बार मरीजों का उपचार करने के बजाय उन्हें सीधे विदिशा या गंजबासौदा के चिकित्सालय के लिए रेफर कर देते हैं, जिससे मरीजों को अतिरिक्त परेशानी और खर्च उठाना पड़ रहा है.बताया जा रहा है कि स्वास्थ्य केंद्र में स्टाफ की भारी कमी है, जिसके चलते व्यवस्थाएं चरमराई हुई हैं. ऐसे में क्षेत्रीय नागरिकों ने स्वास्थ्य विभाग से जल्द सुधार की मांग की है, ताकि मरीजों को स्थानीय स्तर पर ही बेहतर उपचार मिल सके.

समर कैंप में बच्चे सीख रहे नए कौशल

नवभारत न्यूज

हैदरगढ़. लोक शिक्षण संचालनालय के निर्देशानुसार शासकीय विद्यालयों में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए समर कैंप आयोजित किए जा रहे हैं. इसी क्रम में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हैदरगढ़ में 1 मई से 1 जून तक प्रातः 7 बजे से 9 बजे तक समर कैंप संचालित किया जा रहा है.

कैंप का उद्देश्य विद्यार्थियों में 21वीं सदी के आवश्यक कौशल विकसित करना है. इसके अंतर्गत आर्ट एंड क्राफ्ट, पेंटिंग, आपसी सहयोग, टीमवर्क, समस्या समाधान, तार्किकता और नेतृत्व जैसे जीवन कौशलों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है.

इसके साथ ही विद्यार्थियों में सामाजिक एवं सांस्कृतिक जागरूकता, डिजिटल और वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देने के प्रयास किए जा रहे हैं. अंग्रेजी भाषा बोलने की क्षमता विकसित करने के लिए भी गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं.कैंप में खेल गतिविधियों के तहत दौड़, कूद, व्यायाम सहित विभिन्न शारीरिक गतिविधियां भी कराई जा रही हैं. यह समर कैंप प्राचार्य पूजा कुर्मी, शिक्षक सुरेंद्र मालवीय एवं आर्ट एंड क्राफ्ट प्रशिक्षक महेश कुमार शिकारी के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संचालित हो रहा है.

विकास पचौरी रेडियो
84 35 250 250
मोबाइल के प्ले स्टोर पर
Vikas Pachori Radio
टाइप करके इंस्टॉल कीजिए
और लगातार 24 घण्टे
आनंद लीजिए.

डॉ. प्रवीण तोगड़िया का गंजबासौदा दौरा, भव्य स्वागत

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा. अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय बजरंग दल के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. प्रवीण भाई तोगड़िया का गंजबासौदा आगमन हुआ. इस दौरान वे सेन जी महाराज सिंगार दर्शन समिति के प्रदेश अध्यक्ष एवं सीनियर वेलनेस कोच चंद्रहास सेन के निवास पर पहुंचे, जहां उन्होंने परिजनों एवं उपस्थित साथियों से आत्मीय चर्चा की.

नगर आगमन पर बेहलौट बायपास रोड पर ढोल-नगाड़ों, पुष्पवर्षा और आतिशबाजी के साथ उनका भव्य स्वागत किया गया. इसके बाद चंद्रहास सेन के निवास पर भी स्वागत समारोह आयोजित हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में समाजसेवी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे.इस अवसर पर उनके साथ राष्ट्रीय बजरंग दल के प्रांत अध्यक्ष सुरेश आचार्य, प्रांत महामंत्री संजीव पटेरिया, प्रांत मंत्री के.के. तिवारी एवं संजय शर्मा भी मौजूद रहे. कार्यक्रम में समिति के जिला अध्यक्ष बृजेश सेन, अध्यक्ष कैलाश सेन, कोषाध्यक्ष गोरेलाल सेन सहित कई समाजसेवी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे.अपने संबोधन में डॉ. तोगड़िया ने कहा कि संगठन द्वारा हिंदू समाज के उत्थान के लिए विभिन्न आयामों पर कार्य किया जा रहा है. सुंदरकांड पाठ जैसे धार्मिक आयोजनों के माध्यम से लोगों को जोड़ने और समाज में प्रेम व भाईचारा बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है. उन्होंने सभी से एकजुट होकर समाजहित में कार्य करने का आह्वान किया.

सीपीसीटी को लेकर पटवारियों के साथ अन्याय नहीं होने देंगे-महामंत्री

- राजस्व मंत्री से मुलाकात कर समाधान का भरोसा
- 300 पटवारियों पर कार्रवाई के प्रस्ताव का विरोध

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा. सीपीसीटी परीक्षा को लेकर चिंतित पटवारियों को आश्वस्त करते हुए मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के प्रदेश महामंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा है कि उनके साथ किसी प्रकार का अन्याय नहीं होने दिया जाएगा. जल्द ही विभागीय मंत्री से मुलाकात कर इस समस्या का समाधान कराया जाएगा.

यह बात उन्होंने संघ के संभाग अध्यक्ष परसराम दुबे से चर्चा के दौरान कही. दुबे ने गुरुवार को प्रदेश महामंत्री से भेंट कर वर्ष 2017-18 में नियुक्त करीब 300 पटवारियों के खिलाफ प्रस्तावित कार्रवाई की जानकारी दी. बताया गया कि परिवीक्षा अवधि के दौरान सीपीसीटी परीक्षा उत्तीर्ण नहीं करने पर उन्हें सेवा से पृथक करने की कार्रवाई की जा सकती है.इस पर महामंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि परिवीक्षा अवधि के बाद कोविड-19 महामारी के कारण पटवारी परीक्षा नहीं दे पाए. मध्य प्रदेश शासन ने कोरोना काल को केवल एक वर्ष मानकर परिवीक्षा अवधि में एक साल की वृद्धि की, जबकि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कोविड-19 को तीन वर्ष की वैश्विक त्रासदी माना है.उन्होंने बताया कि अमरकंटक में आयोजित अभ्यास वर्ग के बाद मध्य प्रदेश के राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा से मुलाकात कर नियमों में संशोधन कराने और इस विषय को कैबिनेट में रखने के प्रयास किए जाएंगे.इस दौरान संभाग सचिव विजय रैकवार, रज्जू रैकवार, भोपाल जिलाध्यक्ष जितेंद्र शाक्य, विदिशा जिला सचिव जगदीश श्रीवास्तव एवं सुग्रीव गौतम उपस्थित रहे.

केंद्रीय विद्यालय की छात्राओं ने इंदौर को हराकर जीता हैंडबॉल में स्वर्ण पदक

ग्वालियर रीजनल स्पोर्ट्स मीट में शानदार प्रदर्शन

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा. पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय गंजबासौदा की हैंडबॉल टीम ने ग्वालियर में आयोजित रीजनल स्पोर्ट्स मीट में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया. फाइनल मुकाबले में टीम ने इंदौर को पराजित कर यह उपलब्धि हासिल की.

विजेता टीम आज इंटरसिटी एक्सप्रेस से गंजबासौदा पहुंची, जहां ढोल-ढमाकों, फूल-मालाओं और आतिशबाजी के साथ उनका जोरदार स्वागत किया गया. विद्यालय में खुशी का माहौल रहा और छात्राओं की इस सफलता पर सभी ने गर्व व्यक्त किया.कोच संदीप राजावत, प्रभारी शिक्षिकाएं दिव्या पांडे एवं अपूर्वा के मार्गदर्शन में टीम ने यह सफलता हासिल की. टीम में कप्तान दक्षिता शर्मा सहित हर्षिता सिंह, भार्गवी गुर्जर, ऋषिका दांगी, रितालया सक्सेना, अनुश्री दुबे, चारु राजपूत, वेदांती शर्मा, काव्या दिवाकर, मानसी विश्वकर्मा, लीना अहिरवार और एंजेल जैन शामिल रहीं.इसके पश्चात टीम एसडीएम श्रीमती अनुभा जैन के कार्यालय पहुंची, जहां उन्होंने सभी छात्राओं का पुष्पहार और मिठाई खिलाकर स्वागत किया तथा राष्ट्रीय स्तर पर भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं.छात्राओं की इस उपलब्धि पर विद्यालय की प्राचार्य, कोच एवं समस्त स्टाफ सहित पूरे विद्यालय परिवार ने बधाई एवं शुभकामनाएं दीं.

पेशवा बाजीराव प्रथम की पुण्यतिथि पर मनाया गया बलिदान दिवस

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा, शहर वाचनालय पाठक संघ के तत्वाधान में पेशवा बाजीराव प्रथम की पुण्यतिथि को बलिदान दिवस के रूप में मनाया गया. कार्यक्रम में वरिष्ठ समाजसेवी दीपक तिवारी ने संचालन करते हुए उनके कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला.इस अवसर पर स्वर्गीय नारायण सदाशिव पिंगले सेवा संस्थान के अध्यक्ष सुनील बाबू पिंगले ने बलिदान दिवस का महत्व बताते हुए कहा कि पेशवा बाजीराव प्रथम ने अपने जीवन में 41 युद्ध लड़े और एक भी नहीं हारे. उन्होंने अटक से कटक तक अपने पराक्रम का परचम लहराते हुए अखंड भारत में अपना प्रभाव स्थापित किया. साथ ही उन्होंने बुंदेलखंड के राजा छत्रसाल के जीवन की रक्षा कर उनके साथ मजबूत संबंध स्थापित किए.कार्यक्रम में वक्ताओं ने उनके बताए मार्ग और आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया. इस दौरान डॉ. अशोक रोहिले और मोहन सैनी ने भी अपने विचार व्यक्त किए.अंत में सतीश शिल्पकार ने आभार व्यक्त करते हुए उनके बलिदान से प्रेरणा लेने की आवश्यकता पर जोर दिया. कार्यक्रम में अनुज यादव, अरविंद यादव, दीपक त्रिवेदी, कैलाश नेमा, मोहन सैनी सहित अनेक लोग उपस्थित रहे.

परेशानी | **दो दिन में आधे घंटे सप्लाई, बिजली कटौती और विभागीय तालमेल की कमी से बढ़ा जलसंकट**

बिजली और अव्यवस्था के बीच दम तोड़ती जलापूर्ति, सांची में बूंद-बूंद पानी को तरसे लोग

नवभारत न्यूज

सांची. भीषण गर्मी के बीच सांची नगर में जलसंकट लगातार गहराता जा रहा है. हालात ऐसे हैं कि जलापूर्ति व्यवस्था बिजली की अनियमितता और प्रशासनिक अव्यवस्थाओं के बीच पूरी तरह चरमराती नजर आ रही है. आम नागरिक बूंद-बूंद पानी के लिए जूझने को मजबूर हैं, जबकि जिम्मेदार विभाग एक-दूसरे पर ठीकरा फोड़ते नजर आ रहे हैं.

नगर में पेयजल आपूर्ति की जिम्मेदारी नगर परिषद के पास है, लेकिन जमीनी स्थिति इसके विपरीत दिखाई देती है. वर्ष 2020 से संचालित जलसंवर्धन योजना अब तक पूरी तरह धरातल पर नहीं उतर सकी है. बार-बार आश्वासन मिलने के बावजूद लोगों को राहत नहीं मिल रही, जिससे नगरवासियों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है.

वर्तमान स्थिति यह है कि नगर में दो दिन में केवल आधे घंटे के लिए पानी की सप्लाई की जा रही है, वह भी अनियमित रूप से. इस सीमित समय में भी कई घरों तक पानी नहीं पहुंच पाता, जिससे लोगों को पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा है. छुट्टियों के दिनों में जब अधिकारी उपलब्ध नहीं होते, तब स्थिति और अधिक खराब हो जाती है और जलापूर्ति पूरी तरह बाधित हो जाती है.बिजली कटौती ने समस्या को और गंभीर बना दिया है. विद्युत वितरण कंपनी द्वारा बिना तय समय के बिजली बंद किए जाने से पानी की सप्लाई प्रभावित हो रही है. नगरवासियों का कहना है कि बिजली आने-जाने का कोई निश्चित समय नहीं है, जिससे जलापूर्ति व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो रही है.सबसे बड़ी विडंबना यह है कि लोगों से पानी और बिजली के नाम पर नियमित शुल्क वसूला जा रहा है, लेकिन बदले में उन्हें मूलभूत सुविधाएं भी नहीं मिल पा रहीं. इससे लोगों में गहरी नाराजगी है और वे खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं.सांची, जो अपनी ऐतिहासिक और वैश्विक पहचान के लिए प्रसिद्ध है, वहां इस तरह की मूलभूत समस्याएं जिम्मेदारों की कार्यशैली पर सवाल खड़े करती हैं. स्थानीय प्रशासन और विद्युत विभाग के बीच समन्वय की कमी का खामियाजा सीधे तौर पर आम जनता को भुगतना पड़ रहा है.नगर परिषद के सीएमओ रामलाल ने बताया कि हाल ही में आए आंधी-तूफान के कारण पेड़ गिरने से बिजली व्यवस्था बाधित हुई, जिससे जलापूर्ति प्रभावित हुई है. उन्होंने कहा कि इस संबंध में एसडीएम को अवगत करा दिया गया है और जल्द सुधार की उम्मीद है.वहीं विद्युत विभाग के कर्मचारी नागपुरे के अनुसार आंधी के चलते विद्युत लाइनें क्षतिग्रस्त हुई हैं, जिन्हें सुधारने का कार्य जारी है और शीघ्र ही बिजली व्यवस्था बहाल कर दी जाएगी.फिलहाल सवाल यही बना हुआ है कि आखिर कब तक सांची के लोग आश्वासनों के भरोसे अपनी प्यास बुझाने को मजबूर रहेंगे.

भारतीय स्टेट बैंक
शाखा होम लोन सेन्टर-2 (सार्क विंग) | एचएलसी-2, भूतल, चिनार इनक्यूब, होशंगाबाद रोड, आशिमा मॉल के सामने, भोपाल (म.प्र.) फोन नं. 0755-2983018

आधिपत्य नोटिस (स्थावर सम्पत्ति) [13(4)]

जबकि, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन के प्रतिभूति-हित का प्रर्वतन अधिनियम 2002 के अंतर्गत एवं धारा 13 (2) सहपठित प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम (3) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय स्टेट बैंक, के प्राधिकृत अधिकारी ने निम्नलिखित ऋणी एवं जमानतदारों को मांग सूचना निम्नलिखित दिनांक के अनुसार जारी किया। इस नोटिस की पावती की दिनांक से 60 दिनों के भीतर भुगतान करने केलिये कहा गया था।
ऋणी/जमानतदारों द्वारा उक्त राशि के भुगतान नहीं करने पर ऋणी/जमानतदारों को और आम जनता को एतद् द्वारा नोटिस दिया जाता है कि उपरोक्त कथित एक्ट धारा 13 (4) सहपठित उक्त कथित नियम (8) के अधीन, निम्न हस्ताक्षरकर्ता ने निम्नवर्णित सम्पति को उनके सामने दर्शाये गये दिनांक को कब्जे में लिया है। ऋणी/जमानतदारों को विशेष रूप से आम जनता को एतद् द्वारा सावधान किया जाता है कि इस सम्पत्ति बाबत् कोई व्यवहार नहीं करें और इस सम्पत्ति के बाबत् किए गये कोई भी व्यवहार **भारतीय स्टेट बैंक, शाखा एचएलसी-2, होशंगाबाद रोड, भोपाल** को देय ब्याज एवं खर्चो के अध्यधीन प्रभार (Charge) होगा। इस बावत, ऋणी/जमानतदारों का ध्यान सुरक्षित परिसम्पत्तियों को उपलब्ध समय में छुड़ाने (Redeem करने) के संबंध में अधिनियम की धारा 13 एवं उपधारा 8 के प्रावधानों के तहत आकर्षित किया जाता है।

बकायादार का नाम	60 दिवस मांग सूचना दिनांक	नोटिस राशि राशि रू.	बंधक सम्पत्ति का विवरण एवं भवन/प्लॉट की सीमाएँ/स्थिति
(1) श्री नीरज कुमार वर्मा पुत्र श्री श्री किशन, (2) श्रीमती राम कुमारी पत्नी श्री श्री किशन, (3) श्री श्री किशन पुत्र बाल देव प्रसाद फ्लैट नंबर 111 प्रथम तल ब्लॉक नंबर 05, जीत होम्स, ग्राम-हताई खेड़ा, तहसील- हुजूर, भोपाल-462022, म.प्र	30/01/2026 कब्जा दिनांक 29/04/2026	1) HL- 38900127321 Rs. 10,66,476.00 2) HL Top-up - 38900132488 Rs. 7,47,561.00 + देय ब्याज व अन्य खर्च	फ्लैट नंबर 111, पहली मंजिल, ब्लॉक नंबर 05, जीत होम्स, गांव- हटाई खेड़ा, तहसील-हुजूर, भोपाल- 462022, मध्य प्रदेश में स्थित आवासीय मकान।, क्षेत्रफल: 712 वर्गफिट, सीमाएँ: पूर्व दिशा - फ्लैट संख्या 112, पश्चिम दिशा - फ्लैट संख्या 110, उत्तर दिशा - खुला क्षेत्र, दक्षिण दिशा - फ्लैट संख्या 102, श्री नीरज कुमार वर्मा, पुत्र श्री किशन और श्रीमती राम कुमारी, पत्नी श्री किशन और श्री किशन पुत्र बाल देव प्रसाद के नाम पर।

दिनांक : 02.05.2026 — प्राधिकृत अधिकारी